

[10/3/2016]

परिशिष्ट का प्रपत्र
विद्यालय संख्या नारायणपुर ४५५० के प्रशासक की जानकारी
बैठक दिनांक 10.3.2016, अध्यक्ष श्री रामलाल शर्मा

परिशिष्ट अ

अमरपाटन दिनांक:- 28.9.2015

आपको ऊपर लगाये गये गंभीर (दुराचरण) अनियमितता के कारण सेवा से वृत्त करने बाधित।

आपके द्वारा अपने प्रत्यक्षीय कार्यकाल में संस्था की कार्यवाही पंजी में कार्यकारी समिती (संचालक मण्डल) की बैठक दिनांक 05.03.2013 को अध्यक्ष महोदय की उपस्थिति में की गई तथा दूसरे दिन दिनांक 06.03.2013 को अनाधिकृत रूप से उपाध्यक्ष की अध्यक्षता कराकर उपाध्यक्ष श्रीमती ऊषा चौरसिया से 17 चेको में स्वतः हस्ताक्षर करके राशि की हिरा फोरी की गई है। दिनांक 06.03.2013 को बिना रेजेन्डा के बैठक बुलाई गई तथा चेक दिनांक 08.03.2013 में एडमान्स डेट में काटकर उपाध्यक्ष श्रीमती ऊषा चौरसिया से चेको में हस्ताक्षर न कराकर रजम रेण्मा देगम के द्वारा उपाध्यक्ष के हस्ताक्षर बनाये गये जिसकी प्रमाणिकता शाखा प्रत्यक्षक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अग्रपट्टन के द्वारा अपने पत्र दिनांक 15.07.2015 के द्वारा की गई है जिन चेको में रेण्मा देगम के द्वारा स्वतः हस्ताक्षर किये गये है वे चेक निम्न है।

क्रमांक	नाम सदस्य	बैंक नंबर	दिनांक	राशि
1	चदिता प्रसाद / गैरी प्रसाद	503679	08.03.2013	25000
2	रमाशंकर / वैजनाथ मिश्रा	503680	08.03.2013	35000
3	सुरेश प्रसाद / राधिका प्रसाद	503681	08.03.2013	20000
4	शिवमंजन सिंह / भद्रा लाल	503682	08.03.2013	20000
5	शिवमंगल सिंह / महावीर सिंह	503683	08.03.2013	50000
6	रामगुलाम / स्वामीदीन	503684	08.03.2013	30000
7	शिवनंदन / अजनी द्विवेदी	503685	08.03.2013	35000
8	बाला प्रसाद / वृन्दावन	503686	08.03.2013	30000
9	शिवनंदन / मोलई	503687	08.03.2013	30000
10	दयाराम / रामलखन द्विवेदी	503692	08.03.2013	25000
11	रामलता / रामलखन	503693	08.03.2013	35000
12	राजेन्द्र / काशीनाथ	503694	08.03.2013	16000
13	बाबूलाल / कालुशम द्विवेदी	503695	08.03.2013	25000
			योग	377000
1	गुरुप्रसाद / बुलीचंद	503695	08.03.2013	15000
2	सतीश / राममनोहर	503696	08.03.2013	11000
3	रामबल्लू / रामनमोहर	503697	08.03.2013	11000
4	कुन्जबिहारी / कदर	503699	08.03.2013	10000
			योग	47000

2. आपके द्वारा समर्पित मुख्य धान खरीदी वर्ष 2014 -15 में भारी अनिश्चितता की वजह से आपने द्वारा अमानक स्तर की धान खरीदों करने के कारण नागरिक अपूर्ति नियम अन्तर्गत के 7 (अ) धारा से 1839.60 करोड़ रु. की आपस कर दिया गया था जिसमें श्रीमान् उपपरीक्षक का नाम

सहकारी संस्थायें सतना के द्वारा एच क्र०/विधि/14/1244/ सतना दिनांक 15.12.2014 के द्वारा अमानत स्तर की धान क्रय करने एवं धान परिवहन एवं सफाई करने में किये गये व्यय की प्रति पूर्ति खरीदी प्रभारी से जमा करने का आदेश दिया था जिसमें आपके द्वारा राशि जमा करने का वचन दिया था लेकिन उक्त राशि जमा नहीं की गई तथा संस्था को हानि पहुंचाई गई।

3. आपके के द्वारा समर्थन मूल्य गेहूं खरीदी वर्ष 2015-16 में खरीदी प्रभारी श्री शासन के निर्देशानुसार कृषकों से 50 किलो गेहूं प्रति बोरी खरीदी करने का आदेश था लेकिन आपके द्वारा कृषकों से 1 किलो गेहूं ज्यादा लिया जाता था। जिसे श्रीमान् कलेक्टर साहब ने अपने निरीक्षण दिनांक 28.04.2015 को खरीदी केन्द्र अमरपाटन में अनियमितता पाये जाने के कारण खरीदी प्रभारी को हटाने एवं 1 किलो ज्यादा लिये गये गेहूं की राशि को कृषकों को वापस करने का आदेश दिया था। संस्था को निर्धारित मात्रा 50 किलो प्रति बोरी गेहूं की खरीदी करने का आदेश था लेकिन आप व्यक्तिगत रूप से कृषकों से ताल में ज्यादा गेहूं लेती थी। श्रीमान् कलेक्टर साहब के आदेश के पालन में खरीदी प्रभारी से आपको हटा दिया गया लेकिन ज्यादा लिये गये गेहूं की राशि कृषकों को व्यक्तिगत रूप से वापस न कर संस्था से वापस कर संस्था को 70,000/- रु० की हानि पहुंचाई गई है। आप खरीदी प्रभारी के साथ कैसियर का भी कार्य करती थी आपके द्वारा समिति के वचत अमानत शाखा में कृषकों के फर्जी खाता खोलकर ज्यादा लिये गये गेहूं की राशि को वापस करना बाधया गया एक कृषक के कई खाता नं० एवं कई कृषकों के एक खाता नं० देकर अमानत में खयानत की गई है समिति के वचत अमानत शाखा में चेक नं० 622922 रु० 33833/- दिनांक 29.04.2015 से सूची क्र० 1 से 67 तक के किसानों की है एवं चेक नं० 622931 रु० 3,928/- दिनांक 29.04.2015 से सूची क्र० 1 से 4 तक के कृषकों की है जिसे आपके द्वारा सूची बनाकर कृषकों के खाता नं० दिये गये हैं एक कृषक के कई खाता नं० दिये गये हैं (1) सूची क्र० 1 एवं 6 में रामपाल पिता वृन्दावन द्विवेदी कसेई को क्रमशः खाता नम्बर 2458 एवं 1055 दिया गया है। जबकि उनके द्वारा वास्तविक गेहूं बिक्री की सूची में दिनांक 07.04.2015 को बेचे गये गेहूं 20.50 कुंटल राशि 44225/- रु० एवं दिनांक 08.04.2015 को 82.50 कुंटल रुपये 119385/- रु० को खाता क्र० 2467/2014 में जमा किया जाना बताया गया है। (2) सूची क्र० 25 एवं 27 में गोविन्द पिता अंजनी द्विवेदी नौहरिया को खाता नं० 2358 एवं 2160 दिया गया है। (3) सूची क्र० 20 एवं 21 में अंजनी पिता महेश गडौली का खाता क्र० 867 एवं 838 दिया गया है। (4) सूची क्र० 16, 46, 63 एवं 4 में बृजकिशोर पिता हनुमान द्विवेदी गडौली को खाता क्र० 2221, 2398, 2068 एवं 2458 दिया गया है जबकि गेहूं बिक्री के समय दिनांक 11.04.2015 को 23 कुंटल रुपये 42050/- रु०, दिनांक 23.04.2015 को 5.50 कुंटल रुपये 7975/- रु०, दिनांक 26.04.2015 को 8.50 कुंटल रुपये 12325/- रु० की जो गेहूं की बिक्री की गई है उसे खाता क्र० 2253/2012 में जमा किया गया है। उसने 07.04.2015 से 28.04.2015 के बीच कुल तीन बार गेहूं की बिक्री किया है लेकिन उसी आपके के द्वारा फर्जी खाता नम्बर देकर 29.00 कुंटल की राशि को दो बार वापस की गई है जो राशि वसूली योग्य है। (5) सूची क्र० 29 एवं 2 में हरीदीन शिव कच्छेदी साहू नादन टोला का खाता क्र० 2462 एवं 2458 दिया गया है। (6) सूची क्र० 40, 84 एवं दूसरी सूची क्र० 1 में शिवकुमार पिता रामस्वरूप पटेल गुआ को खाता क्र० 468, 6663 एवं 1275 दिया गया है। (7) सूची क्र० 43 एवं 50 में कोमल प्रताप सिंह पिता लालबिहारी अमरपाटन का खाता क्र० 1275 एवं 602 दिया गया है जबकि उक्त कृषक को खाता क्र० 2406 है, (8) सूची क्र० 37 एवं 55 में अशोक पिता जानकी द्विवेदी अमरपाटन का खाता 2287 एवं 2268 दिया गया है। (9) सूची क्र० 39 में अखिलेश पिता अंजनी गडौली का खाता नं० 28 दिया गया है जबकि दिनांक 18.04.2015 को बिक्री किये गये गेहूं ने समिति का खाता क्र० 16/93 दिया गया था।

आपको संस्था के द्वारा जारी नोटिस दिनांक 02.09.2015 एवं 10.09.2015 को किया गया जिसका जबाब आपके द्वारा संचालक मण्डल के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत नहीं किया गया तथा आदेश की अवहेलना की गई।

उपरोक्त बिन्दुओं के अनुसार आपने संस्था में गंभीर दुराचरण (अनियमितता) कर संस्था को हानि पहुंचवाई है तथा संस्था की साथ खराब की है संचालक मण्डल ने बैठक दिनांक 28.9.2015 के निर्णय क्रो 01 के द्वारा आपको (श्रीमती रेशमा बेगम कैसियर (लिपिक) को संस्था से पृथक करने का निर्णय पारित किया है। प्राथमिक कृषि शाखा सहकारी समिति के कर्मचारी सेवा नियम शाख/विधि/33/2010/461 भोपाल दिनांक 26.02.2010 की सेवा नियम के अध्याय 6 की कृषिका 23 (28) के अनुसार सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया गया तथा आपको सेवा से पृथक किया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। आप अपना समस्त पत्र सामान प्रबंधक को सौंपे।

दिनांक:- 28.9.2015

सेवा सहकारी समिति मर्याद अमरपाटन
श्रीमती रेशमा बेगम कैसियर (लिपिक)

संलग्न आरोप पत्र :-

1. उपाध्यक्ष श्रीमती ऊषा घोरसिया का शिकायती पत्र की छायाप्रति,
2. संस्था की कार्यवाही पंजी दिनांक 05.03.2013 एवं 06.03.2013 की छायाप्रति,
3. थक जिनमें फर्जी हस्ताक्षर आपके द्वारा किये गये हैं उनकी छायाप्रति,
4. श्रीमान् उपपुत्र महोदय सहकारिता सतना के पत्र क्रो/विधि/उपार्जन/2014/1244 सतना दिनांक 15.12.2014 की छायाप्रति,
5. आपके द्वारा अमानत स्तर की धान खरीदी की राशि को जमा करने का वचन पत्र की छायाप्रति,
6. समर्थन मुख्य गेहूँ खरीदी 05.03.14-16 में खरीदी गये जमाज (गेहूँ) की सूची।
7. संस्था के वचन अमानत शाखा में फर्जी खाता खोलि गये खातों की सूची जिसमें आपके द्वारा गेहूँ की राशि भेजी गई है।
8. समिति प्रबन्धक अमरपाटन के जांच रिपोर्ट की छायाप्रति, एम.शाखा प्रबंधक के पत्र की छायाप्रति।
9. खातेदारों कोमल प्रताप सिंह एवं अश्विनेश मिश्रा को पासबुक की छायाप्रति,

प्रतिलिपि,

1. श्रीमान् उपपंजीयक महोदय सहकारी संस्था सतना को सूचनार्थ।
2. श्रीमान् महाप्रबन्धक महोदय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सतना को सूचनार्थ।
3. श्रीमान् कलेक्टर साहय महोदय सतना जिला सतना की ओर सूचनार्थ।
4. श्रीमान् संयुक्त पंजीयक महोदय सेवा संभाग रीवा की ओर सूचनार्थ।
5. श्रीमान् पंजीयक एवं आयुक्त महोदय सहकारी संस्थायें भोपाल की ओर सूचनार्थ।
6. श्रीमान् प्रबन्धक संचालक महोदय ग0प्र0 राज्य सहकारी बैंक भोपाल (ओपेक्स बैंक) की ओर सूचनार्थ।
7. शाखा प्रबन्धक महोदय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्याद अमरपाटन को सूचनार्थ।
8. श्रीमान् प्रमुख सचिव महोदय सहकारिता भोपाल को सूचनार्थ।

दिनांक:- 28.9.2015

सेवा सहकारी समिति मर्याद अमरपाटन

श्रीमती रेशमा बेगम कैसियर (लिपिक)

3
अनुमान अधिकारी
म० प्र० अक्षय,
सहकारिता, म० प्र०

अपर आयुक्त
सहकारिता, म० प्र०